भजन

तोड़ के बंधन सभी,रूहों आ जाओ री आओ
कब से पुकारूं तुम्हें,रूहों आ जाओ री आओ

1–दीवाना बन के घूम रहा हूँ,इक इक रूह को ढूंढ रहा हूँ
तन मन मैंने वारा तुम्हीं पर,अब तो न देर लगाओ

2–और काम कछु नाहीं मुझको,देता रहूँ तुम्हें लाड लज्जत
मुख मेरा देखन को ए मेरी रूहो,ये नैनां तुम्हारे क्यूँ न तरसत
किस विध तुमको जगाऊं मैं रूहो,अब तो तुम बतलाओ
3–दुख न दिखाऊं तो ए मेरी रूहो,याद तुम्हें मैं किस विध आऊं
घबरा कर जब याद करोगी,नेहचे तुम्हें मैं मिल जाऊं
दुख तो बहाना है मेरे मिलन का,इससे न घबराओ
4–मुर्दा बन कर कब तक जीओगे,कब तक इस दुनिया से डरोगे
वाणी को लेकर धामधनी की,जाहिर भी तो तुम ही करोगे
प्राणनाथ हैं सिर पर तुम्हारे,अब न तुम घबराओ